

इंस्पायर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड

पर्यावरणीय अधिप्रवाह आंकलन (ड्राफ्ट रिपोर्ट) का सारांश

प्रस्तावित 0.999 मिलियन टन प्रतिवर्ष
क्षमता की कोल वाशरी
(ग्रीन-फील्ड परियोजना)

परियोजना स्थल

ग्राम: भेलाई, तहसील: बलौदा, जिला: जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़

परामर्शी


Enviroftech

इन्वायरोटेक ईस्ट प्राइवेट लिमिटेड

बंगाल अंबुजा कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स,

यू. एन. एफ. 13, 1050/1, सर्वे पार्क, कोलकाता - 700 075

फोन: (033) 2418 8127 : 8128 : 8601

इंस्पायर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	प्रस्तावित 0.999 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता की कोल वाशरी (ग्रीन-फील्ड परियोजना) के लिये पर्यावरणीय अधिप्रवाह आंकलन परियोजना स्थल: ग्राम-भेलाई, तहसील-बलौदा, जिला-जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़	E.S - 1
--------------------------------------	---	---------

1.0 भूमिका

इंस्पायर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ राज्य के जांजगीर-चांपा जिले के अंतर्गत भेलाई गांव में 0.999 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता की कोल वाशरी का प्रस्ताव किया है।

इन्वायरोटेक ईस्ट प्राइवेट लिमिटेड ने इस प्रस्तावित परियोजना के लिये एक पर्यावरणीय अधिप्रवाह आंकलन अध्ययन किया।

2.0 परियोजना स्थल

परियोजना स्थल की भौगोलिक स्थिति 22°08'10" उत्तर अक्षांश एवं 82°28'20" पूर्व देशांतर है तथा मध्य समुद्र तल से इसकी उंचाई 289 मीटर है। अकलतरा शहर लगभग 13 किलोमीटर की दूरी पर दक्षिण दिशा में अवस्थित है। जिला मुख्यालय जांजगीर लगभग 19 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन अकलतरा लगभग 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि निकटतम हवाई अड्डा रायपुर लगभग 160 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

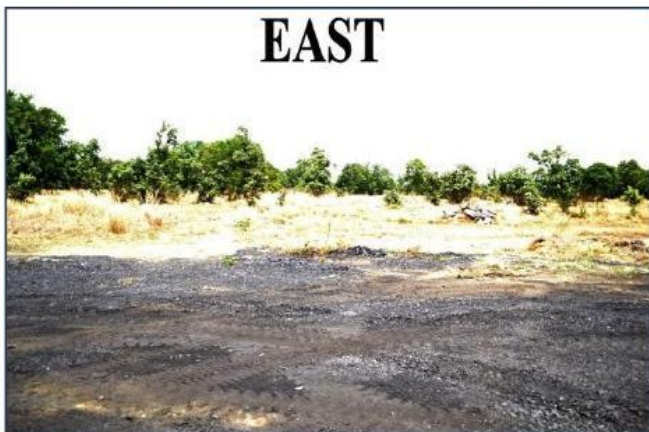
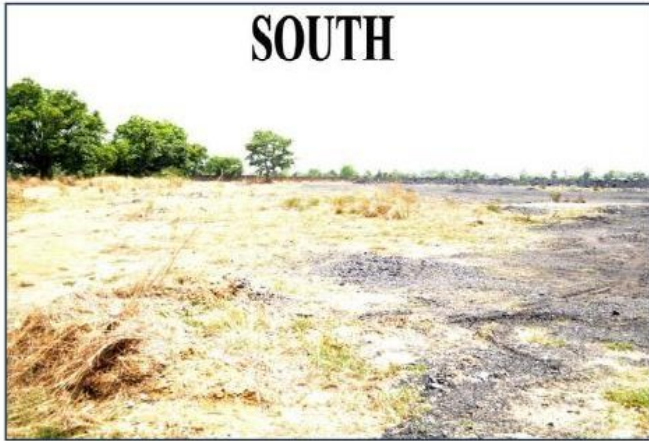
3.0 प्रस्तावित परियोजना

प्रस्तावित परियोजना के महत्वपूर्ण तथ्य हैं:

प्रस्तावित परियोजना	0.999 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता की कोल वाशरी
परियोजना स्थल	ग्राम-भेलाई, तहसील-बलौदा, जिला-जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़
भूमि की आवश्यकता	19.53 एकड़, जो गैर-उपजाऊ एवं गैर-सिंचित कृषि भूमि की श्रेणी में आती है एवं जिसका भू-उपयोग परिवर्तन औद्योगिक प्रयोजन के लिये किया गया है।
जल की आवश्यकता एवं स्रोत	450 घनमीटर प्रति दिन, जिसकी आपूर्ति बोरवेल के द्वारा की जाएगी। इसकी अनुमति के लिये सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड को आवेदन किया गया है।
विद्युत की आवश्यकता एवं स्रोत	750 केवीए, जिसकी आपूर्ति छत्तीसगढ़ स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के द्वारा की जाएगी।
अपशिष्ट जल	परियोजना से अपशिष्ट जल का किसी प्रकार का उत्प्रवाह नहीं होगा। इसका उपयोग उचित उपचार के पश्चात कारखाने की मुख्य प्रक्रिया में किया जाएगा। अपशिष्ट जल के उपचार के

इंस्पायर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	प्रस्तावित 0.999 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता की कोल वाशरी (ग्रीन-फील्ड परियोजना) के लिये पर्यावरणीय अधिप्रवाह आंकलन परियोजना स्थल: ग्राम-भेलाई, तहसील-बलौदा, जिला-जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़	E.S - 2
--------------------------------------	--	---------

	लिये एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट का प्रावधान होगा, जिसमें “थिकनर” एवं “सेटिलिंग पॉइस” की व्यवस्था होगी। घरेलू अपशिष्ट जल का उपचार सेप्टिक टैंक-सोक पिट प्रक्रिया के द्वारा किया जायेगा।
वायु प्रदूषण का नियंत्रण	वायु प्रदूषण के नियंत्रण के रूप में बैग फिल्टर्स, पॉकेट फिल्टर, कवर्ड कन्वेयर्स, धूलकण उन्मूलन तंत्र इत्यादि का प्रावधान रखा जाएगा।
ठोस अपशिष्ट का उत्पादन एवं निस्तारन	ठोस अपशिष्ट के रूप में सिर्फ वाशरी रिजेक्ट का उत्पादन होगा, जिसकी आपूर्ति निकटवर्ती औद्योगिक इकाइयों/ ईंट उत्पादकों को एएफबीसी ब्वायलर/ ब्रिक किल्न्स में उपयोग के लिये की जायेगी।
रोजगार की आवश्यकता	100 व्यक्ति
परियोजना में कुल लागत	11.573 करोड़ रुपए



प्रस्तावित परियोजना स्थल

4.0 आधारभूत पर्यावरणीय परिदृश्य

प्रस्तावित परियोजना के लिये एक पर्यावरणीय अधिप्रवाह आंकलन अध्ययन किया गया। अध्ययन के अन्तर्गत प्रमुख पर्यावरणीय घटकों जैसे भू-उपयोग, मौसम विज्ञान, वायु गुणवत्ता, जल गुणवत्ता, पारिस्थितिकी, ध्वनि तथा जनसांख्यिकी एवं सामाजिक आर्थिकी के अध्ययन शामिल हैं। अध्ययन अक्टूबर 2013 से दिसंबर 2013 तक किया गया। अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार परियोजना स्थल के चारों ओर दस किलोमीटर की परिधि के अन्दर का क्षेत्र है।

4.1 मौसम विज्ञान

परियोजना स्थल के आसपास अधिकतम एवं न्यूनतम तापक्रम क्रमशः 34 डिग्री सेल्सियस एवं 9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किये गये। वायु की औसत गति 3.3 किलोमीटर प्रति घन्टा मापी गई। ज्यादातर समय हवा उत्तर दिशा से बहती हुई रिकॉर्ड की गई।

4.2 परिवेशी वायु की गुणवत्ता

परियोजना स्थल के चारों ओर दस स्थानों पर परिवेशी वायु की गुणवत्ता मापी गई। इस क्षेत्र में परिवेशी वायु में पीएम₁₀, पीएम_{2.5}, एसओ₂ तथा एनओएक्स की मात्रा क्रमशः 52.7 $\mu\text{g}/\text{m}^3$, 19.8 $\mu\text{g}/\text{m}^3$, 7.4 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ एवं 11.4 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ मापी गई, जो निर्धारित राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों से काफी कम हैं।

4.3 जल की गुणवत्ता

भूतल जल की गुणवत्ता लीलागर नदी सहित कुल आठ स्थानों पर मापी गई। जल के भौतिक-रासायनिक गुणधर्म अच्छे तथा पेयजल मानकों के अनुरूप हैं, किन्तु इसमें जीवाणु वैज्ञानिक प्रदूषण विद्यमान हैं। भूमिगत जल की गुणवत्ता आठ स्थानों पर मापी गई। आठों स्थानों पर जल की गुणवत्ता अच्छी तथा पेयजल मानकों के अनुरूप है।

4.4 ध्वनि (शोर)

अध्ययन क्षेत्र में वर्तमान ध्वनि स्तर के मापन के लिये 10 स्थानों पर ध्वनि सर्वेक्षण किया गया। ध्वनि स्तर परिवेशी वायु में समान्यतया ध्वनि के लिये राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं।

इंस्पायर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	प्रस्तावित 0.999 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता की कोल वाशरी (ग्रीन-फील्ड परियोजना) के लिये पर्यावरणीय अधिप्रवाह आंकलन परियोजना स्थल: ग्राम-भेलाई, तहसील-बलौदा, जिला-जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़	E.S - 4
--------------------------------------	--	---------

4.5 पारिस्थितिकी

अध्ययन क्षेत्र तथा आसपास की जलवायु प्राकृतिक वनस्पति के विकास के अनुरूप है। 10 किलोमीटर के अध्ययन क्षेत्र में बुडगहन रिजर्व फॉरेस्ट, पंडरा प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट एवं दलहा प्रोटेक्टेड फॉरेस्ट मौजूद हैं।

4.6 जनसांख्यिकी एवं सामाजिक आर्थिक पर्यावरण

अध्ययन क्षेत्र के जनसांख्यिकी एवं सामाजिक आर्थिक पर्यावरण का परिदृश्य 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर स्थापित किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में कुल 68 गांव एवं बलौदा नगर पंचायत का क्षेत्र आता है, जिनकी कुल जनसंख्या 1,17,642 है। पुरुषों एवं महिलाओं का लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 900 महिलाओं का है। कुल साक्षरता दर 62.6 प्रतिशत है।

5.0 पर्यावरणीय अधिप्रभावों की आशंका एवं प्रशमन उपाय

5.1 वायु की गुणवत्ता

प्रस्तावित कोल वाशरी प्रक्रिया में वायु प्रदूषण के निरंतर उत्सर्जन के लिये कोई बिन्दु स्रोत नहीं होगा। उत्पादन प्रक्रिया में किसी प्रकार का ईंधन नहीं जलाया जायेगा।

प्रस्तावित परियोजना के क्रियान्वयन के उपरान्त परिवेशी वायु गुणवत्ता पर किसी प्रकार का कोई विपरीत प्रभाव नहीं होगा। विभिन्न वायु प्रदूषकों के वर्तमान स्तर पर रहने का अनुमान है।

5.2 जल की गुणवत्ता

परियोजना के लिये जल प्रणाली का विकास करते समय अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग एवं पुनः संचरण का प्रावधान रखा गया है, जिसका उपयोग उचित उपचार के पश्चात कारखाने की मुख्य प्रक्रिया में किया जाएगा। परियोजना से अपशिष्ट जल का किसी प्रकार का कोई उत्प्रवाह नहीं होगा।

5.3 ध्वनि

परियोजना के निर्माण एवं प्रचालन से समीपवर्ती ग्रामों के निवासियों के ऊपर कोई विपरीत प्रभाव नहीं होगा। तथापि निर्माण क्षेत्र एवं संयंत्र क्षेत्र में काम करनेवाले कामगार उच्च ध्वनि स्तर से प्रभावित हो सकते हैं। इन कामगारों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे कानों में लगनेवाले प्लग, मफ, मास्क आदि दिये जायेंगे, जो विपरीत प्रभावों को न्यूनतम या समाप्त कार्यकारी सारांश

कर देंगे। इसके अतिरिक्त ध्वनि स्तर को कम करने के लिये अन्य उपाय भी किये जाएंगे जैसे ध्वनि अवरोधकों का प्रावधान और उपयुक्त ध्वनि अवशोषक पदार्थों द्वारा घेरों का निर्माण। हरित पट्टिका एवं वृक्षारोपण के प्रावधान से ध्वनि स्तर को और भी कम करने में मदद मिलेगी।

5.4 पारिस्थितिकी

परियोजना परिसर के आसपास पर्याप्त मात्रा में प्रकृतिक वनस्पति या तो ग्रामीण उद्यानों के रूप में या कृषि के रूप में उपलब्ध है। प्रस्तावित इकाईयों में होनेवाले वायु प्रदूषणों को नियन्त्रित करके इसके फलस्वरूप होनेवाले प्रभावों को काफी कम किया जा सकता है, जिससे आसपास के वृक्षों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े। चूँकि परियोजना से अपशिष्ट जल का किसी प्रकार का कोई उत्प्रवाह नहीं होगा, जलीय पारिस्थितिकी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना

परियोजना के निर्माण तथा प्रचालन चरणों के लिये एक पर्यावरणीय प्रबंधन योजना बनाई है। परियोजना के पर्यावरणीय प्रबंधन हेतु एक पर्यावरणीय विभाग की स्थापना की जाएगी, जो पर्यावरणीय विषयों पर परियोजना के विभिन्न विभागों तथा बाह्य एजेंसियों जैसे छत्तीसगढ़ एन्वायरन्मेंट कंज़र्वेशन बोर्ड, पर्यावरण एवं वन मन्त्रालय आदि के साथ समन्वय हेतु केन्द्र-बिन्दु का कार्य करेगा।

परियोजना के अन्तर्गत उचित मात्रा में ग्रीन बेल्ट का प्रावधान किया गया है, जो केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड द्वारा प्रकाशित दिशा-निर्देशों पर आधारित है।